Gram Vikas Chaupal and Women-Centric Welfare Initiatives in Rajasthan

Addressing a Gram Vikas Chaupal in Khari Ka Lamba village in Bhilwara, Rajasthan Chief Minister Bhajan Lal Sharma discussed the state government and the central government's efforts towards rural development and empowerment of women. He spoke about several welfare programs for women, the farmers, and the rural communities and distributed financial assistance and approval letters and benefits to various government schemes promoting self-reliance and inclusive growth.

Key Important Points of the News.

- Chief Minister said that the Government of two engines is working towards the welfare of the women, youth, farmers, and poor households.
- Women centric schemes like Beti Bachao Beti Padhao, Ujjwala Yojana, Jan Dhan Yojana and Har Ghar Jal were highlighted.
- The state of Rajasthan has decided to pay the money directly to the accounts of the beneficiaries of the Scooty Scheme for meritorious girls.
- The pregnant women get sonography service under the 4th scheme of the Maa Voucher Yojana.
- Under the Mukhyamantri Dugdh Utpadak Sambal Yojana, benefits are being provided to the women farmers who are engaged in dairy farming.

- The loan amount has been increased to ₹1.5 lakh and the interest rate has been lowered to 1.5% under the Lakhpati Didi Scheme.
- Financial support, administrative clearance, nutrition kits and loans were issued to beneficiaries through different schemes under 7.
- Success stories of economic empowerment and entrepreneurship were shared by 8 women who are from the Rajivika Self-Help Groups (SHGs).
- The Chief Minister interacted directly with rural women and beneficiaries during the Chaupal.
- The event highlighted the contribution of SHGs in the empowerment, social inclusion and livelihood improvement.

Objectives and Benefits

Objectives

- Increase women's economic and social empowerment.
- Encourage self employment and entrepreneurship through Self help groups.
- Enhance livelihoods and financial inclusion in rural areas.
- Improve maternal and child care.
- Encourage sustainable farming and dairy farming livelihoods.
- Improve the implementation of the welfare schemes at the local level.

Benefits

- More employment opportunities for rural women.
- More financial autonomy due to low-cost loans.
- Enhanced maternal health care.
- Improved Girl Education.
- Improved agricultural productivity and nutrition awareness.
- Increased community involvement in rural development.

The importance in the context of RAS Examination.

Prelims Perspective

Lakhpati Didi Scheme

The Rajasthan Rural Livelihoods Development Project (RRDP) is named after its project coordinator, Rajivika.Rajivika (Rajasthan Rural Livelihoods Development Project).

Maa Voucher Yojana

Mukhyamantri Dugdh Utpadak Sambal Yojana

Women Empowerment Programme in Rajasthan

RASonly

Mains Perspective

Relevant for topics:

- Women Empowerment
- Rural Development
- Inclusive Growth
- Self-Help Groups (SHGs)
- Social Justice and Welfare Administration:
- Cooperative and Community-Based Development Models

Interview Perspective

- Effect of SHGs on the transformation of the rural community.
- The role of women entrepreneurs in economic development.
- Grass roots governance mechanisms like Gram Vikas Chaupals are important.

Conclusion

The Gram Vikas Chaupal at Khari Ka Lamba emphasised on the thrust on inclusive rural development and empowerment of women in Rajasthan. The government's welfare schemes, financial support and Self-Help Groups will enhance livelihoods and increase social indicators and sustainable economic development in rural communities.

MCQs

Q1. The scheme which wants to make the women in rural areas economically independent by training them in skills and lending them money is?

Options:

A. Ujjwala Yojana

B. Lakhpati Didi Scheme

C. PM Jan Dhan Yojana

D. Har Ghar Jal Mission

Answer: B. Lakhpati Didi Scheme

Explanation:

Lakhpati Didi Scheme aims at empowering women to become entrepreneurs, to develop skills and provide them with timely loan at low rate of interest so that they could earn sustainable income.

RASonly

Q2. In Rajasthan, the town of Rajivika is known for its:

Options:

A. Urban Housing Development

B. Extension Support for Self-Help Groups

C. Industrial Investment Promotion (3.30%)

D. Tourism Development

Answer: B. Rural Livelihood Promotion through Self-Help Groups

Explanation:

Rajivika is a Mission for Rural Livelihood, promoting women's SHGs, financial inclusion, entrepreneurship and community-based development in the State of Rajasthan.

Q3. Which of the following is not being provided to pregnant women under the Maa Voucher Yojana mentioned in the news?

Options:

A. Free Education

B. Nutritional Subsidy

C. Sonography Facility

D. Housing Assistance

Answer is: C. Sonography Facility

Explanation:

Within the scope of the Maa Voucher Yojana women can avail sonography services and enhance maternal healthcare during pregnancy.

RASonly

राजस्थान में ग्राम विकास चौपाल एवं महिला-केंद्रित कल्याणकारी योजनाएँभीलवाड़ा की ग्राम विकास चौपाल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं को रेखांकित किया

राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के खारी का लाम्बा गांव में आयोजित ग्राम विकास चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण विकास एवं महिला सशक्तिकरण के लिए केंद्र और

राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं, किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा लाभार्थियों को वित्तीय सहायता, स्वीकृति पत्र और विभिन्न योजनाओं के लाभ वितरित किए। यह कार्यक्रम आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा।

समाचार के प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीब परिवारों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।
- **बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ**, **उज्ज्वला योजना**, **जन-धन योजना** तथा **हर घर जल योजना** जैसी महिला-केंद्रित योजनाओं पर विशेष जोर दिया गया।
- राजस्थान सरकार ने मेधावी बालिकाओं को स्कूटी योजना की राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है।
- **मां वाउचर योजना** के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।
- **मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना** के माध्यम से दुग्ध उत्पादन से जुड़ी महिला किसानों को लाभ प्रदान किया जा रहा है।
- **लखपति दीदी योजना** के तहत ऋण सीमा बढ़ाकर ₹1.5 लाख तथा ब्याज दर घटाकर 1.5 प्रतिशत कर दी गई है।
- विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को वित्तीय सहायता, प्रशासनिक स्वीकृतियाँ, पोषण किट एवं ऋण वितरित किए गए।
- **राजीविका स्वयं सहायता समूह (SHGs)** से जुड़ी महिलाओं ने आर्थिक सशक्तिकरण और उद्यमिता की प्रेरक सफलता की कहानियाँ साझा कीं।
- मुख्यमंत्री ने चौपाल के दौरान ग्रामीण महिलाओं एवं लाभार्थियों से सीधे संवाद किया।
- इस कार्यक्रम ने स्वयं सहायता समूहों की आजीविका संवर्धन, सामाजिक समावेशन और महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित किया।

उद्देश्य एवं लाभ

उद्देश्य

- महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण बढ़ाना।
- स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका एवं वित्तीय समावेशन को मजबूत करना।
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना।
- सतत कृषि एवं डेयरी आधारित आजीविका को प्रोत्साहित करना।
- कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को जमीनी स्तर तक सुनिश्चित करना।

RASonly

लाभ

- ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार एवं आय के अवसरों में वृद्धि।
- कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध होने से आर्थिक आत्मनिर्भरता।
- मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार।
- बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन।
- कृषि उत्पादकता एवं पोषण संबंधी जागरूकता में वृद्धि।
- ग्रामीण विकास में सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा

RAS परीक्षा की दृष्टि से महत्व

प्रारंभिक परीक्षा

निम्नलिखित विषयों से प्रश्न पूछे जा सकते हैं:

- लखपति दीदी योजना
- राजीविका (Rajasthan Rural Livelihoods Development Project)
- मां वाउचर योजना
- मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना
- राजस्थान की महिला सशक्तिकरण योजनाएँ

मुख्य परीक्षा (Mains)

यह समाचार निम्नलिखित विषयों से संबंधित है:

- महिला सशक्तिकरण
- ग्रामीण विकास
- समावेशी विकास (Inclusive Growth)
- स्वयं सहायता समूह (SHGs)
- सामाजिक न्याय एवं कल्याण प्रशासन
- सामुदायिक एवं सहकारी विकास मॉडल

साक्षात्कार (Interview)

- ग्रामीण परिवर्तन में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका।
- आर्थिक विकास में महिला उद्यमियों का योगदान।
- ग्राम विकास चौपाल जैसे जमीनी शासन तंत्रों का महत्व।

RASonly

निष्कर्ष

खारी का लाम्बा में आयोजित ग्राम विकास चौपाल ने राजस्थान सरकार की महिला सशक्तिकरण और समावेशी ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, जिससे सामाजिक-आर्थिक विकास को नई दिशा मिल रही है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. कौन-सी योजना ग्रामीण महिलाओं को कौशल विकास एवं ऋण सुविधा प्रदान कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखती है?

विकल्प:

A. उज्ज्वला योजना
B. लखपति दीदी योजना
C. प्रधानमंत्री जन-धन योजना
D. हर घर जल मिशन

उत्तर: B. लखपति दीदी योजना

व्याख्या:
लखपति दीदी योजना महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता और कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराकर उनकी आय बढ़ाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य करती है।

प्रश्न 2. राजस्थान में "राजीविका" मुख्यतः किससे संबंधित है?

विकल्प:

A. शहरी आवास विकास
B. स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण आजीविका संवर्धन
C. औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन
D. पर्यटन विकास

उत्तर: B. स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण आजीविका संवर्धन

व्याख्या:
राजीविका राजस्थान की ग्रामीण आजीविका मिशन परियोजना है, जो महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित कर वित्तीय समावेशन, उद्यमिता और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देती है।

प्रश्न 3. समाचार में उल्लिखित मां वाउचर योजना के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को कौन-सी सुविधा प्रदान की जाती है?

विकल्प:

RASonly

A. निःशुल्क शिक्षा
B. पोषण अनुदान
C. सोनोग्राफी सुविधा
D. आवास सहायता

उत्तर: C. सोनोग्राफी सुविधा

व्याख्या:
मां वाउचर योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जिससे मातृ स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी एवं सुरक्षित गर्भावस्था सुनिश्चित की जा सके।

World Environment Day State-Level Celebration and Environmental Conservation Initiatives in Rajasthan

Rajasthan Chief Minister Bhajan Lal Sharma delivered an address at a state-level function in Jaipur on World Environment Day and stressed on conserving the environment, saving water, and living sustainably. He appealed to citizens to contribute in making Rajasthan greener and cleaner by plantation drives, conservation of water, reducing the use of plastics etc. and living a green life. A number of key environmental and infrastructure projects undertaken by the State Government were also highlighted.

The main highlights of the news are:

- The Chief Minister called upon the citizens to take active role in the conservation of the environment and sustainable development.
- He urged saving electricity and water, cutting down plastic use and adoption of environment friendly habits.
- The Vande Ganga Water Conservation Public Campaign has become a movement for water conservation among the masses of the Rajasthan state.
- Mission Hariyalo Rajasthan proposes to plant 50 crore saplings in 5 years, out of which 19 crore saplings have been planted already.
- Rajasthan is in the first position in meeting the targets under the “Ek Ped Maa Ke Naam” campaign.
- The state government has targeted that it will plant 10 crore saplings during the current year.
- There are a number of initiatives underway such as:
- Namo Chandan Vans
- Namo Nurseries
- The Panchayat Samiti level.Panchayat Samiti level Namo Vans.
- Oxygen Model Parks
- Gobardhan Biogas Projects
- Waste Water Treatment Plants
- Inauguration of an Early Warning System for forecasting air quality was done in Alwar and Bhiwadi.
- An MoU was signed for technology transfer and environmental management between the Rajasthan State Pollution Control Board (RSPCB) and the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) on 9th.
- Four Regional Offices of RSPCB were opened or foundation laid of new nurseries and eight PRE-BASE Augmentation Enclosures.
- The Vande Ganga Water Conservation Campaign was attended by 4 crore people, with 1.8 crore being women.
- The Chief Minister inaugurated the exhibition on “Prakriti Se Prerit” (Inspired by Nature) featuring innovative technologies and practices for environment protection.

Objectives and Benefits

Objectives

- Protect the environment and encourage ecological sustainability.
- Promote plantation and afforestation on a large scale.
- Increase water conservation and groundwater recharge.
- Minimize pollution and encourage environmentally friendly lifestyles.
- Enhance citizen engagement in environmental campaigns.

RASonly

- Improve climate resilience by promoting sustainable development.

Benefits

- Better air and water quality.
- Increased green cover and conservation of biodiversity.
- Improved water availability and water security.
- Pollution and environmental degradation is decreased.
- Increased public awareness about environmental problems.
- Sustainable urban and rural development.

Avoiding the use of highly polluting materials.Prevention of high-polluting material usage.

RAS exam importance

Prelims Perspective

The important points to be covered in objective questions:

- World Environment Day
- Mission Hariyalo Rajasthan
- Ek Ped Maa Ke Naam Campaign".
- For the conservation of water in the Vande Ganga project.
- Gobardhan Project
- The Rajasthan State Pollution Control Board (RSPCB)
- Catch the Rain Campaign
- Mission LiFE

Mains Perspective

Relevant topics include:

- Environmental Conservation
- The effects of climate change on sustainable development.Climate change and sustainable development.
- Water Resource Management
- The involvement of citizens in governance.Involvement of citizens in governance.
- Environmental Policy and Programme in Rajasthan.
- Each of these species serves as a keystone for its ecosystem.All of these species are keystone species.

Interview Perspective

- Citizens' participation in environmental protection.
- The importance of community involvement in water conservation.

RASonly

- Equating economic development with environmental protection.
- The creative solutions adopted by the State of Rajasthan regarding environment and their effects.

Conclusion

The World Environment Day celebration was a testament to the state of Rajasthan and their dedication towards environmental sustainability, conservation of water, and development in climate-resilient fashion. The state is fostering public engagement and environmental stewardship through various initiatives, including Mission Hariyalo Rajasthan, Vande Ganga Campaign, and Ek Ped Maa Ke Naam, aiming to create a greener and more sustainable future.

MCQs

Q1. What is the goal to be achieved for plantation over 5 years under the Mission Hariyalo Rajasthan?

Options:

A. 10 Crore Saplings

B. 25 Crore Saplings

C. 50 Crore Saplings

D. 75 Crore Saplings

Answer : C. 50 Crore Saplings.

Explanation:

The Rajasthan Government has targeted the plantation of 50 crore saplings in five years under Mission Hariyalo Rajasthan to increase the green cover and make the environment more sustainable.

Q2. Which campaign has turned into water conservation movement in the state of Rajasthan?

Options:

A. Jal Jeevan Mission
B. Namami Gange
C. Vande Ganga Water Conservation Public Campaign
D. Swachh Bharat Mission

Answer. C. Vande Ganga Water Conservation Public Campaign

Explanation:

RASonly

The Vande Ganga Water Conservation Public Campaign has seen widespread popular participation, and is designed to bolster water conservation and water management throughout Rajasthan.

Q3. The Early Warning System launched at the event is mainly associated with:

Options:

A. Flood Forecasting

B. Agricultural Marketing

C. Air Quality Forecasting

D. Forest Fire Management

Answer is "C. Air Quality Forecasting.

Explanation:

The Early Warning System is designed to be used in Alwar and Bhiwadi for air quality forecasting, which will help the government to keep track of the pollution level and implement preventive measures to protect the environment.

RASonly

राजस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस राज्य स्तरीय समारोह एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी पहलें

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण, जल बचत और सतत जीवनशैली के महत्व पर बल दिया। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, जल संरक्षण अपनाने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में राज्य सरकार की विभिन्न पर्यावरणीय एवं अवसंरचनात्मक पहलों को भी प्रस्तुत किया गया।

समाचार के प्रमुख बिंदु

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

- उन्होंने बिजली एवं पानी की बचत, प्लास्टिक के उपयोग में कमी तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया।
- **वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान** राजस्थान में जल संरक्षण का जन आंदोलन बन चुका है।

- **मिशन हरियालो राजस्थान** के तहत 5 वर्षों में **50 करोड़ पौधे लगाने** का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिनमें से लगभग **19 करोड़ पौधे** लगाए जा चुके हैं।
- **"एक पेड़ मां के नाम" अभियान** के लक्ष्यों की प्राप्ति में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा है।
- राज्य सरकार ने चालू वर्ष में **10 करोड़ पौधे लगाने** का लक्ष्य रखा है।
- राज्य में निम्नलिखित पर्यावरणीय पहलें संचालित की जा रही हैं:
    - नमो चंदन वन
    - नमो नर्सरी
    - पंचायत समिति स्तर पर नमो वन
    - ऑक्सीजन मॉडल पार्क
    - गोबरधन बायोगैस परियोजनाएं
    - वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट
- अलवर और भिवाड़ी में **वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान हेतु अर्ली वार्निंग सिस्टम** का शुभारंभ किया गया।
- **राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (RSPCB)** एवं **वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR)** के बीच तकनीकी सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।
- आरएसपीसीबी के 4 क्षेत्रीय कार्यालयों का शिलान्यास तथा 7 नई पौधशालाओं एवं 8 प्री-बेस ऑगमेंटेशन एनक्लोजर्स का लोकार्पण किया गया।
- **वन्दे गंगा जल संरक्षण अभियान** में लगभग **4 करोड़ नागरिकों**, जिनमें **1.8 करोड़ महिलाएं** शामिल हैं, ने भागीदारी की।
- मुख्यमंत्री ने **"प्रकृति से प्रेरित"** प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी नवीन तकनीकों एवं नवाचारों का प्रदर्शन किया गया।

उद्देश्य एवं लाभ

उद्देश्य

- पर्यावरण संरक्षण एवं पारिस्थितिकीय संतुलन को बढ़ावा देना।
- बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण एवं हरित आवरण में वृद्धि करना।
- जल संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाना।
- प्रदूषण को कम करना तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को प्रोत्साहित करना।
- पर्यावरणीय अभियानों में जनभागीदारी बढ़ाना।
- सतत विकास के माध्यम से जलवायु अनुकूलन क्षमता को मजबूत करना।

RASonly

लाभ

- वायु एवं जल गुणवत्ता में सुधार।
- हरित क्षेत्र एवं जैव विविधता का संरक्षण।
- जल उपलब्धता एवं जल सुरक्षा में वृद्धि।
- प्रदूषण एवं पर्यावरणीय क्षरण में कमी।
- पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जन-जागरूकता में वृद्धि।
- ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सतत विकास को बढ़ावा।

RAS परीक्षा की दृष्टि से महत्व

प्रारंभिक परीक्षा

निम्नलिखित विषयों से प्रश्न पूछे जा सकते हैं:

- विश्व पर्यावरण दिवस
- मिशन हरियालो राजस्थान
- एक पेड़ मां के नाम अभियान
- वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान
- गोबरधन परियोजना
- राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (RSPCB)
- कैच द रेन अभियान
- मिशन LiFE

मुख्य परीक्षा

यह समाचार निम्नलिखित विषयों से संबंधित है:

- पर्यावरण संरक्षण
- जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास
- जल संसाधन प्रबंधन
- सुशासन में जनभागीदारी
- राजस्थान की पर्यावरणीय नीतियां एवं कार्यक्रम
- वनीकरण एवं जैव विविधता संरक्षण

RASonly

साक्षात्कार

पर्यावरण संरक्षण में नागरिकों की भूमिका।

- जल संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी का महत्व।
- आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन।
- राजस्थान की नवाचारी पर्यावरणीय पहलों का प्रभाव।

निष्कर्ष

विश्व पर्यावरण दिवस समारोह ने राजस्थान सरकार की पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा जलवायु-अनुकूल विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। मिशन हरियालो राजस्थान, वन्दे गंगा अभियान और एक पेड़ मां के नाम जैसी पहलें जनभागीदारी को बढ़ावा देकर राज्य को हरित, स्वच्छ और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ा रही हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

प्रश्न 1. मिशन हरियालो राजस्थान के तहत 5 वर्षों में कितने पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है?

विकल्प:

A. 10 करोड़ पौधे
B. 25 करोड़ पौधे
C. 50 करोड़ पौधे
D. 75 करोड़ पौधे

उत्तर: C. 50 करोड़ पौधे

व्याख्या:
मिशन हरियालो राजस्थान के अंतर्गत राज्य सरकार ने 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिससे हरित आवरण बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सके।

प्रश्न 2. राजस्थान में जल संरक्षण का जन आंदोलन किस अभियान को माना गया है?

विकल्प:

A. जल जीवन मिशन
B. नमामि गंगे
C. वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान
D. स्वच्छ भारत मिशन

उत्तर: C. वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान

व्याख्या:
वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में व्यापक जनभागीदारी देखने को मिली है और यह राजस्थान में जल संरक्षण एवं संवर्धन का एक महत्वपूर्ण जन आंदोलन बन चुका है।

RASonly

प्रश्न 3. समारोह में शुरू किया गया अर्ली वार्निंग सिस्टम मुख्य रूप से किससे संबंधित है?

विकल्प:

A. बाढ़ पूर्वानुमान
B. कृषि विपणन
C. वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान
D. वनाग्नि प्रबंधन

उत्तर: C. वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान

व्याख्या:
अलवर एवं भिवाड़ी में शुरू किया गया अर्ली वार्निंग सिस्टम वायु गुणवत्ता की निगरानी और पूर्वानुमान के लिए विकसित किया गया है, जिससे प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण में सहायता मिलेगी।

RASonly

India's Success at the 2nd Asian Para Throwball Championship 2025

India has emerged as a champion at the 2nd Asian Para Throwball Championship in Kuala Lumpur, Malaysia with winning medals in both the men's and women's events. Indian para-athlete Kausar was the most successful with gold in both, taking the top honors in both. It is a testament to India's emerging prowess in the field of para sports and the initiatives taken to foster inclusivity, nurture talent, and establish India as a global force in the sport.

The key takeaways from the news are:

1. The **2nd Asian Para Throwball Championship** was organized in Kuala Lumpur, Malaysia.
2. India achieved a double success by winning medals in both the men's and women's categories.
3. Para athlete **Kausar** won gold medals in both categories, bringing significant recognition to India.
4. Around 200 para players from various Asian countries participated in the championship.
5. The event was organized under the aegis of the **World Para Throwball Federation**.
6. Indian representatives, including Lakshman Rawat, Dr. Meena Sharma, Lalit Singh, and Dr. Pradeep Kumawat, participated in the championship.
7. During the championship, it was announced that the **3rd Asian Para Throwball Championship** will be hosted in Rajasthan in March 2027.
8. Rajasthan's selection as the host state reflects its growing reputation in sports infrastructure and event management.

RASonly

9. Indian officials and sports administrators were recognized for their contribution to the promotion of para sports.
10. The championship promoted inclusion, equal opportunities, and international cooperation through sports.

Objectives and Benefits

Objectives

- Encourage para sport and inclusion in competitive sports.
- Promote international participation of differently-abled players.
- Enhance India's contribution to international sporting events.
- Establish sports facilities and talent screening.
- Improve the understanding of disability sport and equal opportunities.

Benefits

- More awareness about Indian para athletes.
- Encouragement for persons with disabilities to participate in sports.
- Enhance the culture of sport and inclusiveness.
- Exposure to international athletes and coaches.
- To promote Rajasthan as a sports hub.
- Increase Sports tourism and Sports Infrastructure.

This is important for the RAS Examination.

Prelims Perspective

Facts that are important for examination:

- 2nd Asian Para Throwball Championship
- Kuala Lumpur (Malaysia) is the host city for the event.
- World Para Throwball Federation
- Rajasthan is also to host the 3rd Asian Para Throwball Championship in 2027.
- Para Sports and Disability Inclusion

Mains Perspective

Relevant topics include:

- Sports Development in India
- Empowerment of PWDs
- Social Inclusion through Sports.
- International Sports Cooperation
- This program will examine the role of states in sports promotion.
- Ensure youth development and nurturing of talent.

RASonly

Interview Perspective

- Importance of para sports in creating an inclusive society.
- Issues that are encountered by differently-abled athletes.
- Rajasthan has great sports tourism potential for national and international sporting events.
- Government policies to promote sport and safeguard athletes.

Conclusion

The Indian team has achieved a remarkable feat in the 2nd Asian Para Throwball Championship, showcasing India's rising prowess in para sports. Kausar's double gold medal performance and the hosting of the next championship in Rajasthan bring to light the growing possibilities of inclusive sports, international exposure, and athletic training in India.

MCQs

Q1. The 2nd Asian Para Throwball Championship was held in which place?

Options:

A. Bangkok, Thailand

B. Jakarta, Indonesia

C. Kuala Lumpur, Malaysia

D. Singapore

Answer : C, Kuala Lumpur, Malaysia.

Explanation:

2nd Asian Para Throwball Championship was carried out in Kuala Lumpur, Malaysia and attended by many Asian nations.

Q2. Who got a gold medal in both categories at the championship?

Options:

A. Lakshman Rawat

B. Lalit Singh

C. Meena Sharma

D. Kausar

Answer: D. Kausar

Explanation:

RASonly

Kausar proved herself to be the most outstanding performer of the championship as she won gold medals in both categories, thus adding laurels to her country.

Q3. In 2027, the 3rd Asian Para Throwball Championship will take place in which state?

Options:

A. Gujarat

B. Rajasthan

C. Maharashtra

D. Haryana

Answer: B. Rajasthan

Explanation:

The active participation of the Rajasthan government in sports promotion and infrastructure development was underlined during the championship with the official declaration of the 3rd Asian Para Throwball Championship to be held in March 2027 in the state.

RASonly

द्वितीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2025 में भारत की शानदार सफलता

मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में आयोजित द्वितीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप में भारत ने पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। भारतीय पैरा खिलाड़ी कौसर ने दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। यह उपलब्धि भारत में पैरा खेलों के बढ़ते स्तर, समावेशी खेल संस्कृति तथा दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की सफलता को दर्शाती है।

समाचार के प्रमुख बिंदु

- **द्वितीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप** का आयोजन कुआलालंपुर (मलेशिया) में किया गया।
- भारत ने पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की।
- भारतीय पैरा खिलाड़ी **कौसर** ने दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया।
- प्रतियोगिता में एशिया के विभिन्न देशों के लगभग **200 पैरा खिलाड़ियों** ने भाग लिया।
- प्रतियोगिता का आयोजन **वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन** के तत्वावधान में किया गया।

- भारतीय प्रतिनिधिमंडल में **लक्ष्मण रावत, डॉ. मीना शर्मा, ललित सिंह तथा डॉ. प्रदीप कुमावत** शामिल रहे।
- प्रतियोगिता के दौरान घोषणा की गई कि **तृतीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप मार्च 2027 में राजस्थान में आयोजित होगी।**
- राजस्थान को मेजबानी मिलना राज्य की विकसित होती खेल अवसंरचना और आयोजन क्षमता को दर्शाता है।
- पैरा खेलों के विकास में योगदान देने वाले भारतीय खेल प्रशासकों और अधिकारियों को सम्मानित किया गया।
- प्रतियोगिता ने खेलों के माध्यम से **समावेशन, समान अवसर और अंतरराष्ट्रीय सहयोग** को बढ़ावा दिया।

उद्देश्य एवं लाभ

उद्देश्य

- पैरा खेलों एवं समावेशी खेल संस्कृति को बढ़ावा देना।
- दिव्यांग खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी बढ़ाना।
- वैश्विक खेल मंच पर भारत की उपस्थिति को मजबूत करना।
- खेल अवसंरचना एवं प्रतिभा पहचान प्रणाली को विकसित करना।
- दिव्यांग खेलों और समान अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

लाभ

- भारतीय पैरा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त होगी।
- दिव्यांग व्यक्तियों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरणा मिलेगी।
- खेल संस्कृति एवं सामाजिक समावेशन को बढ़ावा मिलेगा।
- खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त होगा।
- राजस्थान की पहचान एक उभरते खेल केंद्र के रूप में मजबूत होगी।
- खेल पर्यटन एवं खेल अवसंरचना के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

RAS परीक्षा की दृष्टि से महत्व

प्रारंभिक परीक्षा

निम्नलिखित तथ्य महत्वपूर्ण हैं:

- द्वितीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप
- मेजबान शहर: कुआलालंपुर (मलेशिया)
- वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन

RASonly

- तृतीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2027 का आयोजन राजस्थान में
- पैरा खेल एवं दिव्यांग समावेशन

मुख्य परीक्षा

यह समाचार निम्नलिखित विषयों से संबंधित है:

- भारत में खेल विकास
- दिव्यांगजन सशक्तिकरण
- खेलों के माध्यम से सामाजिक समावेशन
- अंतरराष्ट्रीय खेल सहयोग
- खेल प्रोत्साहन में राज्यों की भूमिका
- युवा विकास एवं प्रतिभा संवर्धन

साक्षात्कार

- समावेशी समाज के निर्माण में पैरा खेलों का महत्व।
- दिव्यांग खिलाड़ियों के समक्ष आने वाली चुनौतियां।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए राजस्थान की संभावनाएं।
- खिलाड़ियों के कल्याण एवं खेल विकास हेतु सरकारी पहलें।

निष्कर्ष

द्वितीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रदर्शन देश में पैरा खेलों के बढ़ते स्तर और क्षमता को दर्शाता है। कौसर की दोहरी स्वर्णिम सफलता तथा 2027 की चैंपियनशिप की मेजबानी राजस्थान को मिलना खेलों में समावेशन, प्रतिभा विकास और अंतरराष्ट्रीय पहचान की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. द्वितीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप का आयोजन कहाँ किया गया था?

विकल्प:

A. बैंकॉक, थाईलैंड
B. जकार्ता, इंडोनेशिया
C. कुआलालंपुर, मलेशिया
D. सिंगापुर

उत्तर: C. कुआलालंपुर, मलेशिया

व्याख्या:
द्वितीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप का आयोजन कुआलालंपुर (मलेशिया) में किया गया था, जिसमें एशिया के कई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

RASonly

प्रश्न 2. चैंपियनशिप में दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय खिलाड़ी कौन थीं?

विकल्प:

A. लक्ष्मण रावत
B. ललित सिंह
C. डॉ. मीना शर्मा
D. कौसर

उत्तर: D. कौसर

व्याख्या:
कौसर ने चैंपियनशिप में दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया और प्रतियोगिता की सबसे सफल खिलाड़ी रहीं।

प्रश्न 3. तृतीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2027 का आयोजन किस राज्य में किया जाएगा?

विकल्प:

A. गुजरात
B. राजस्थान
C. महाराष्ट्र
D. हरियाणा

उत्तर: B. राजस्थान

व्याख्या:
प्रतियोगिता के दौरान घोषणा की गई कि मार्च 2027 में तृतीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप का आयोजन राजस्थान में किया जाएगा, जो राज्य की खेल अवसंरचना और आयोजन क्षमता को दर्शाता है।

RASonly